आयोजक समिति

प्रो. राजेश कुमार मल्होत्रा
अधिष्ठाता शैक्षणिक,
गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं
प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, हिसार

प्रो. नरसीराम बिश्नोई
डीन ऑफ कॉलेज,
गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं
प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, हिसार

प्रो. संदीप राणा
प्रॉक्टर, गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं
प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, हिसार

प्रो. एन. के. बिश्नोई
अध्यक्ष, अर्थशास्त्र विभाग
गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं
प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, हिसार

प्रो. वी. के. बिश्नोई
निदेशक, छात्र कल्याण विभाग,
गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं
प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, हिसार

प्रो. कर्मपाल
अधिष्ठाता, कानून संकाय,
गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं
प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, हिसार

प्रो. एस. सी. कुंडू
अधिष्ठाता, मानविकी एवं समाज
विज्ञान संकाय, गुरु जम्भेश्वर विज्ञान
एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, हिसार

प्रो. मनोज दयाल
संचार एवं प्रबन्ध तकनीकी
विभाग, गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं
प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, हिसार

प्रो. राकेश बहमनी
अध्यक्ष, मनोविज्ञान विभाग,
गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं
प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, हिसार

प्रो. धर्मेन्द्र कुमार
सङ्गणक विज्ञान विभाग,
गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं
प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, हिसार

सलाहाकार समिति

- **प्रो. हरमहेन्द्र सिंह बेदी**, कुलाधिपति, केन्द्रीय विश्वविद्यालय, धर्मशाला, हिमाचल प्रदेश।
- **प्रो. रमेश पाण्डे**, कुलाधिपति, श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ, दिल्ली।
- **प्रो. बी. के. पूनियां**, पूर्व कुलपति, महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय, रोहतक।
- **प्रो. अयोध्या दास वैष्णव**, संस्कृत विभाग, लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ, उत्तर प्रदेश।
- **प्रो. मीरा गौतम**, पूर्व अध्यक्ष, हिंदी विभाग, कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र, हरियाणा।
- **प्रो. बलदेव सिंह मेहरा**, पूर्व संस्कृत विभागाध्यक्ष, महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय, रोहतक, हरियाणा।
- **प्रो. विभा अग्रवाल**, संस्कृत विभाग, कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र, हरियाणा।
- **प्रो. कृष्ण कुमार कौशिक**, हिंदी विभागाध्यक्ष, जामिया मिलिया विश्वविद्यालय, दिल्ली।

धार्मिक सलाहाकार समिति

- **डॉ. इक्तिदार मोहम्मद खान**, इस्लामिक अध्ययन विभाग, जामिया मिलिया इस्लामिया विश्वविद्यालय, दिल्ली।
- **डॉ. आर.एन.सिंह**, विभागाध्यक्ष, बौद्ध अध्ययन विभाग, जम्मू विश्वविद्यालय, जम्मू।
- **प्रो. हमीदुल्लाह मार्जी**, विभागाध्यक्ष, धार्मिक अध्ययन संस्थान, केन्द्रीय विश्वविद्यालय, कश्मीर।
- **प्रो. हीरा पाल गंगनेगी**, बौद्ध अध्ययन विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय।
- **प्रो. मोहम्मद हबीब**, गुरु गोविंद सिंह धार्मिक अध्ययन संस्थान, पंजाबी विश्वविद्यालय, पटियाला।
- **प्रो. आशा मुखर्जी**, दर्शनशास्त्र एवं धार्मिक अध्ययन विभाग, विश्वभारती, पश्चिम बंगाल।
- **डॉ. अरविन्द ऋतुराज**, बौद्ध धर्म अध्यनन विभाग, पंजाबी विश्वविद्यालय, पटियाला।
- **प्रो. राजेन्द्र कौर रोही**, पूर्व विभागाध्यक्ष, गुरु गोविन्द सिंह धार्मिक अध्ययन संस्थान, पंजाबी विश्वविद्यालय, पटियाला।

समयावधि :

सारांश भेजने की अंतिम तिथि : 22 फरवरी, 2019

शोधपत्र भेजने की अंतिम तिथि : 24 फरवरी, 2019

पंजीकरण शुल्क :

प्राध्यापक एवं प्रतिनिधि : 1500/–

शोधार्थी एवं विद्यार्थी : 1000/–

शोधपत्र प्रेषित करने हेतू :

राष्ट्रीय संगोष्ठी में शोध पत्र प्रस्तुत करने वाले विद्यार्थी, शोधार्थीगण, संकाय सदस्य व अन्य विद्वज्जन अपने शोधपत्र को ncjambhoji2019@gmail.com पर प्रेषित करें।

सम्पर्क सूत्र :–

वैबसाईट : www.gjust.ac.in

दूरभाष नं. : 01662-263159, +91-9416422416

स्थान :–

चौ. रणबीर सिंह सभागार, गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, हिसार

एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी

गुरु जाम्भो जी एवं भारतीय धर्मों में शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व की भावना

दिनांक : 26 फरवरी, 2019 (मंगलवार)

आयोजन कर्त्ता :-

गुरु जम्भेश्वर जी महाराज धार्मिक अध्ययन संस्थान,
गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय
हिसार (हरियाणा)-125001

विश्व विद्यालय के विषय में

गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, हिसार ने 20 अक्टूबर, 1995 को भारत के हरियाणा राज्य में विधानसभा अधिनियम 17 के तहत अपनी यात्रा की शुरुआत की। विश्वविद्यालय में प्रौद्योगिकी, फार्मेसी, पर्यावरण विज्ञान, गैर–पारम्परिक ऊर्जा स्त्रोत, जन संचार, इंजीनियरिंग, प्रबन्धन और धार्मिक अध्ययन आदि क्षेत्रों में शिक्षा एवं शोध किया जाता है। 15वीं शताब्दी के महान् विभूति एवं पर्यावरणविद् गुरु जम्भेश्वर जी महाराज के नाम पर इस विश्वविद्यालय का नाम रखा गया था। यह विश्वविद्यालय हिसार में दिल्ली–रोहतक राष्ट्रीय राजमार्ग (एन. एच.–9) पर दिल्ली से 167 किलोमीटर और (एन.एच–65) पर चण्डीगढ़ से लगभग 231 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। विश्वविद्यालय को 2002 से नैक द्वारा तीन बार 'ए' ग्रेड मान्यता प्राप्त है।

संस्थान के विषय में

गुरु जम्भेश्वर जी महाराज धार्मिक अध्ययन संस्थान की स्थापना 1995 में गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के साथ ही हुई। संस्थान का उद्देश्य एवं लक्ष्य जम्भवाणी एवं जाम्भाणी साहित्य के साथ विभिन्न धर्मों एवं दर्शनों का तुलनात्मक अध्ययन एवं अनुसंधान करना है जिसमें प्रमुख रुप से सनातन, हिन्दू धर्म, बौद्ध धर्म, जैन, ईसाई, सिक्ख, बिश्नोई एवं संत साहित्य प्रमुख हैं इसके साथ ही भारतीय दार्शनिक मतों का अध्ययन एवं अनुसंधान करना तथा भारतीय संस्कृति, सभ्यता एवं इतिहास पर शोध कार्य करना संस्थान का प्रमुख लक्ष्य है। संस्थान ने विश्व के सभी धर्मों का पर्यावरण संरक्षण की दृष्टि से अध्ययन एवं अनुसंधान करके 'धर्म और पर्यावरण विश्वकोश' एवं 'तुलनात्मक धर्म–दर्शन विश्वकोश' भी तैयार किया जा रहा है इसके साथ–साथ संस्थान तुलनात्मक धर्म–दर्शन एवं जाम्भाणी साहित्य पर पी.एच.डी. कार्यक्रम प्रदान करता है।

संगोष्ठी के विषय में

विश्व की प्राचीन धर्म परंपरा को दो भागों में विभाजित किया गया है। एक भारतीय धर्म–दर्शन परंपरा एवं दूसरी पैगम्बरी धर्म–दर्शन परंपरा जो एकेश्वरवाद पर आधारित है। भारतीय धर्म परंपरा में सनातन धर्म, आर्य धर्म, वैदिक धर्म, बौद्ध धर्म, जैन धर्म, सिक्ख, शैव धर्म, वैष्णव, शाक्त, बिश्नोई इत्यादि धर्ममत एवं उनके प्रवर्तक तथा गौरवग्रंथ आते है। इनका मूल उद्देश्य शांति, अहिंसा, परोपकार, लोक कल्याण कर्ममय जीवन पद्धति, यम – नियमों का पालन, विविधता में एकता, वसुधैव कुटुम्बकम् की भावना, सहिष्णुता, एकता और अखण्डता तथा मानवीय भावना को विकसित करना है। इसी मानवीय भावना की आधारशीला विश्वशांति और सह–अस्तित्व की भावना को शक्तिशाली स्वरूप प्रदान करती है। इन्हीं मूल्यों एवं सिद्धान्तों से समाज एवं राष्ट्र में लोककल्याण किया जा सकता है। सभी भारतीय धर्मो एवं मत–पथों में एक अंतर्निहित एकरुपता हैं। शरीर की नश्वरता, आत्मा की अमरता, कर्मफल की अनिवार्यता, पुर्नजन्म की अवधारणा, मृत्यु की अनिवार्यता, अवतारवाद की धारणा, अध्यात्म की सत्ता, आस्था में विश्वास, योग के नियमों का पालन, अहिंसा की उदात्त भावना, धर्म, अर्थ, काम एवं मोक्ष की भावना, गुरु आज्ञा का पालन, अतिथि सत्कार, ये सभी सद्गुण हमारी सनातन परंपरा में शाश्वत रुप से समाविष्ट है। इन सिद्धान्तों का पालन भारतीय धर्म–परम्परा में अनादिकाल से रहा हैं। इसी मानवीय भावना से हम विश्वगुरु बने हैं और जगत को शिष्य बनाया है। इसी कारण गुरु जाम्भोंजी एवं भारतीय धर्मो में शान्ति–पूर्ण सहअस्तित्व की भावना को आगे बढाया है। यही भारतीयता की धार्मिक एवं सास्कृतिक विरासत है। हमारे ऋषि–मुनियों ने भारतीय धर्म–संस्कृति में जिस प्रकार की जीवन प्रणाली एवं जीवन पद्धति व समाज की व्यवस्था बनायी गयी है। ऐसी व्यवस्था भारतीय धर्मो के समकालीन आज भी अन्य सभ्य समाज में नहीं है। यह सम्पूर्ण मानव समाज के लिए एक आदर्श व्यवस्था है। इस आदर्श जीवन पद्धति का गहन अध्ययन और वैज्ञानिक पृष्ठभूमि पर इसका निर्माण किया गया, जो शांति एवं सहअस्तित्व की भावना के लिए आदर्शस्वरूप थी। इन्ही सिद्धान्तों के आधार पर संगोष्ठी का आयोजन किया जा रहा है।

उपविषय

- जम्भवाणी एवं जाम्भाणी साहित्य में शांतिपूर्ण सहअस्तित्व की भावना।
- सनातन और ईसाई धर्म में शांतिपूर्ण सहअस्तित्व की भावना।
- बौद्ध धर्म में शांति एवं सह–अस्तित्व की भावना।
- इस्लाम धर्म में शांतिपूर्ण सह–अस्तित्व की भावना।
- सूफी मत में शांति एवं सह–अस्तित्व की भावना।
- शैव, वैष्णव और शाक्त मतों में शांतिपूर्ण सह–अस्तित्व की भावना।
- भारतीय प्रमुख दार्शनिक चिंतकों के दर्शन में शांतिपूर्ण सह–अस्तित्व की भावना। (क) विवेकानन्द (ख) स्वामी दयानंद (ग) अरविन्द (घ) टैगोर (ड़) गांधी (च) सर्वपल्ली राधाकृष्ण।
- वैश्विक आध्यात्मिक परिवेश एवं विश्वशांति।
- भारतीय धर्म–परंपरा में पर्यावरण संरक्षण और गुरु जाम्भोजी का योगदान।
- प्राचीन एवं आधुनिक शिक्षा पद्धति में सर्वधर्मसमभाव एवं शान्तिपूर्ण सहअस्तित्व की भावना।
- भारतीय धर्म, संस्कृति एवं जनसंचार।
- वैश्विक परिदृश्य में गुरु जाम्भो जी का दर्शन।

मुख्य संरक्षक

प्रो. टंकेश्वर कुमार

कुलपति, गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, हिसार

संरक्षक

डॉ. अनिल कुमार पुंडीर

कुलसचिव, गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, हिसार

संयोजक

प्रो. किशनाराम बिश्नोई

अध्यक्ष एवं अधिष्ठाता, गुरु जम्भेश्वर जी महाराज धार्मिक अध्ययन संस्थान एवं संकाय, गुजवि, हिसार

प्रो. वंदना पूनियां

मानव संसाधन विकास केन्द्र, गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, हिसार

सह-संयोजक

डॉ. संजय तिवारी

दूरस्थ शिक्षा, गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, हिसार

आयोजक सचिव

प्रो. किशनाराम बिश्नोई

अध्यक्ष एवं अधिष्ठाता, गुरु जम्भेश्वर जी महाराज धार्मिक अध्ययन संस्थान एवं संकाय, गुजवि, हिसार